## कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

दिनांक ५ जून २०२३ को कृषि विज्ञान केंद्र आई.वी.आर.आई. बरेली द्वारा "विश्व पर्यावरण दिवस" के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के सभागार मे कृषको एवं कृषक महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डॉ. रूपसी तिवारी, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) आईवीआरआई की अध्यक्षता मे हुआ। कार्यक्रम के आरंभ मे डॉ. बी. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली ने सभी का स्वागत कर पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि पर्यावरण मे प्रदूषण के दुष्प्रभाव से कैसे कृषि उत्पादन एवं पशु का स्वस्थ्य एवं उत्पादन प्रभावित हो रहा है और हम किस तरह अपने पर्यावरण को स्वस्थ एवं संरक्षित बना सकते हैं।

कार्यक्रम मे आगे श्री आर एल सागर ने पर्यावरण का जीव जंतुओ एवं फसलों पर प्रभाव, जल संरक्षण व विभिन्न फसलों में सामयिक कार्यो के बारे में बताया। श्री रंजीत सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के लिए बागवानी फसलों के उत्पादन एवं रखरखाव के बारे में बताया। श्रीमती वाणी यादव ने मृदा स्वास्थ्य के बारे में एवं प्राकृतिक एवं जैविक खेती का पर्यावरण से संबंध पर प्रकाश डाला। डॉ. शार्दूल विक्रम लाल ने पर्यावरण का पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादन पर प्रभाव पर चर्चा की। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रूपसी तिवारी ने सभी कृषको का आवाहन किया कि पर्यावरण के विभिन्न घटक जैसे जल, वायु, भूमि, जीव जन्तु आदि का संरक्षण करना है। आपने मेरी लाइफ कार्यक्रम के संबंध में कहा कि विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, लैपटॉप, टीवी आदि से ही प्रदूषण हो रहा है। पृथ्वी पर जल की अत्यंत कमी है। सभी जीव जंतु व्याकुल हो रहे। सभी प्रकार के प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्षो का रोपण करें। आपने महिलाओं के लिए कहा कि गांव में रहकर अनेक कृषि व्यावसायिक कार्य है उनको सीखकर रोजगार प्राप्त करे।कार्यक्रम के अंत में सभी कृषकों को विभिन्न प्रकार के वृक्षों के पौध वितरण एवं संस्थान परिसर में वृक्षारोपण का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे 81 कृषको ने, 63 महिला सहित , सहभागिता दर्ज की।